Hkkjrh; 'kkL= ,o Ñf"k ekSle foKku foHkkx
tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
df"k ekSle lykg lok,¡
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. ओम गुप्ता, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. अवस्थी, सस्य विज्ञान डॉ. पी. बी. शर्मा, फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, सब्जी विज्ञान – डॉ. बी. आर. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. एल. एस. सेखावत

o"kZ&2019	vad&11	fnukad 06 ls 10 Qjojh 2019	fnukad% 05-02-2019

¼ftyk tcyiqj dh fy, tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,o ekSle dsUnz Hkksiky }kjk lEi;Dr :i ls tkjh½

vkxkeh ikap fnuksa dk ekSle iwokZuqeku%&

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान मध्यम दर्जे के बादल रहने एवं वर्षा होने की संभावना है । हवा 8.0 से 15.1 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 25.0 से 29.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 11.0 से 14.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

EkkSleh rRo @fnukad	06/02/2019	07/02/2019	08/02/2019	09/02/2019	10/02/2019
o"kkZ ¼fe-eh-½	0	5	9	0	0
vf/kdre rkieku ¼fM-l s-½	29	26	25	27	27
U;wure rkieku ¼fM-l s-½	14	14	13	12	11
Ckknyksa dh fLFkfr	हल्के	मध्यम	हल्के	साफ	साफ
vkisf{kr vknzrk ¼lqcg½	72	77	82	78	74
vkisf{kr vknzrk ¼'kke½	24	30	33	27	23
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	8	13.2	15.1	10.4	11.4
gok dh fn'kk	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	उत्तर–पश्चिम	उत्तर	उत्तर–पूर्व

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd df"k ijke'kZ fnukad 06 ls 10 Qjojh 2019

lkekU; lykg	• अगामी दिनों में पूर्वी मध्यप्रदेश के सभी जिलों में बादल रहने एवं हल्की वर्षा होने की संभावना है। • रबी फसलों में दवाओं एवं शेष नत्रजन का छिड़काव करें। • दलहनी फसलों में सतत् निरीक्षण करते रहें । इल्ली दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु सर्बागीण कीटनाशकों का छिड़काव करें ।
puk	• देर से बोई चने की फसल में हैंड हो चलाकर खरपतवार नियंत्रण करें। • चने की फसल का निरिक्षण करे, चने की इल्ली की संख्या (दो या दो से अधिक इल्ली प्रति मीटर कतार मे) अर्थिक क्षति सीमा से अधिक पाए जाने पर इसके नियंत्रण हेतु क्विनालफॉस 25 ई0सी0, ट्राइजोफस 40 ई0सी0, पोलीट्रिन सी 44 ई0सी0 प्रति लीटर प्रति हेक्टयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। टी आकर की खूटियां (पक्षी आश्रय स्थल) लगा दें। • कीड़ो से निरीक्षण हेतु फिरोमोन प्रपंच 1 हैक्टेयर में 10 से 12 लगायें।
ljlks	• संभावित मौसम मे सरसों की फसल में माहू की संभावना को देखते हुए फसल की सतत निगरानी रखें। माहू से ग्रस्त टहनियों के हाथ से तोड़कर नष्ट करें आवश्यकतनुसार इसके नियंत्रण हेतु इमेडाक्लोप्रिड 100 मिली. दवा 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव करें। • संभावित मौसम मे सरसों में श्वेत किट्ट रोग की संभावना हो सकती है अतः इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2 से 5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
vjgj	• आरहर की फसल इस समय फली बनने की अवस्था में है । फसल का सतत निरीक्षण करते रहें। चने की इल्ली या अन्य कीट दिखाई देने पर कीट के नियंत्रण हेतु ट्राइजोफास 750 मिली दवा 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिडकाव करें।
Qynkj o{k	• आवला, बेर, नीबू एवं अनार, आदि फसल वृक्षों में हल्की सिंचाई द्वारा आवश्यक नमी वनाये रखें। • आवला, बेर, अमरूद आदि फसलो की परिपक्वतानुसार तुड़ाई कर बाजार में विकी करें फलों को थोड़ा डंठल सहित तुड़ाई करें। • सिंचाई की समुचित व्यवस्था होने की दशा में नया फल पौधरोपण किया जा सकता है । • आवला, बेर, नीबू एवं अनार, आदि के नया पौधा बनाने व बीज विकी कार्य हेतु उपयोग करें।
lfCt;k	• पत्ता गोभी एवं फूल गोभी में खाद देने की व्यवस्था करें। • मटर की हरी फली तुड़ाई करें । • गर्मी की सभी सब्जियों के लिए खेत की तैयारी करें। एवं विश्वसनीय स्थानों से उच्च गुणबत्ता वाले बीज प्राप्त करें।
Ik'kq ,o eqxhZ ikyu	• कम उम्र के पशुओं को रात्रि में ठण्ड से बचाव करें । इस हेतु बोरों के पर्दे लगावें, ताकि ठण्ड से कम उम्र के पशु पक्षियों को बचाया जा सके। और दिन में पर्दो को खुला रखें। • पशुओं को हरे चारे के लिए पूर्व में बोई गयी बरसीम की कटाई पश्चात सिंचाई एवं यूरिया का छिड़काव करें। • पशुओं में खुरपका एवं मुहपका तथा बकरी एवं भेडों में फड़किया रोग का टीका लगवाएँ ।

नोडल आफीसर

दिनांकः 05 फरवरी 2019